

Published Date:	2 Jun 2026	Publication:	Jankaal Sandesh(Hindi) [Agra]
Journalist:	Bureau	Page No:	8
Circulation:	9,000		

एसआईपी में निवेश तो बढ़ा, पर रजिस्ट्रेशन के रुझान जता रहे निवेशकों की सतर्कता

जनकाल सन्देश

आगरा। सिएटमैट्रिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) उन आम और छोटे निवेशकों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण जरिया बन चुका है, जो म्यूचुअल फंड के माध्यम से लंबे समय में बड़ी संपत्ति या फंड बनाना चाहते हैं। इंडस्ट्री के आंकड़ों से पता चलता है कि आगरा में एसआईपी रजिस्ट्रेशन करने वाले लोगों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। यह आंकड़ा अप्रैल 2025 में 0.85% था, जो अप्रैल 2026 में बढ़कर 0.89% हो गया। यह बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि गैर बाजार में चल रहे उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा डिग्रा नहीं है और वे लगातार बाजार में अपनी भागीदारी को बनाए हुए हैं (स्रोत: ऑरिफिक्ट डेटा)। पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में भी एसआईपी के जरिए लगातार पैसा अपना जारी है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद, 2026 के पहले चार महीनों में एसआईपी से आने वाला पैसा पूरी तरह स्थिर रहा और यह लगभग रुपये 30,000 करोड़ के आस-पास बना रहा। यह दिखाता है कि निवेशक लगातार बाजार में बने हुए हैं। उद्योग के हालिया रुझान निवेशकों के बीच बढ़ती सतर्कता की ओर इशारा करते हैं। पूरे उद्योग में नए एसआईपी रजिस्ट्रेशन अप्रैल 2026 में



घटकर 12 महीने के निचले स्तर 50.71 लाख पर आ गए, जबकि एसआईपी बंद होने की संख्या बढ़कर 51.29 लाख हो गई, जिससे एसआईपी स्टॉपिज रॉलबै 101% पर पहुंच गया। यह दर्शाती है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और बाजार के भारी उतार-चढ़ाव के बीच, इस महीने के दौरान नए रजिस्ट्रेशन की तुलना में अधिक एसआईपी खाते रोक या बंद किए गए (स्रोत:एसएफआई)। ऐसे माहौल में, नियम से निवेश करने और लंबे समय के लिए पैसों की प्लानिंग करने को लेकर लोगों की समझदारी और भी जरूरी होती जा रही है। वित्तीय जानकारों का मानना है कि बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच भी लगातार निवेश करते रहने से निवेशकों को फायदा होता है। इससे वे बाजार के छोटे-मोटे बदलावों को देखकर घबराने के बजाय, अपने लंबे समय के लक्ष्यों की आसानी से पूरा कर सकते हैं। निवेशकों के बदलते व्यवहार पर टाटा एसेट मैनेजमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ,

प्रश्रित भोवे ने कहा, निवेश में उतार-चढ़ाव अना तब है-नेकिन उस पर तुरंत प्रतिक्रिया देना आपके हाथ में है। टाटा म्यूचुअल फंड में हमारा मानना है कि लंबे समय का मुनाफा इस बात से तब नहीं होता कि बाजार कैसा चल रहा है, बल्कि इस बात से तब होता है कि उस माहौल में निवेशक कैसा व्यवहार करते हैं। सही तरीके से और लगातार निवेश करते रहना ही सफल निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है। इस कैपेन के जरिए हम निवेशकों को बाजार में टिके रहने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं-यानी वे एसआईपी के जरिए नियमित निवेश करें, बाजार के हर उतार-चढ़ाव में बने रहें और हमेशा लंबे समय की सोच रखें। आगे चलकर यही अनुशासन, कंपाउंडिंग की ताकत और रूपा कोस्ट एक्सेजिंग के फायदे के साथ मिलकर एक बड़ा फंड बनाने में मदद कर सकता है। लोगों को निवेश के प्रति जागरूक करने के लिए अब हमारी संस्कृति से जुड़ी बातों और जानी-पहचानी कहानियों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मकसद लोगों को निवेश की सही प्लानिंग और उसके दौरान अपने व्यवहार को ठीक रखने के बारे में आसानी से समझना है।